

RESSA
COLLECTIVE CULTURE
रेसा

सूरमा

'काजल' लगे किरकरी, और सूरम शशा ना जए ।
जिन नैना में तु बरी, दुज फीन राम ये'



RESSA

रेसा

"कौतूहल लहंगे केरकर, और सुरा सुना ना जाए।
जिन रेसा में तू बसे, दुखा कोन समाये।"





RESSA
रेसा

वो चौर कोई सुरम उगत हे कही क
जेवर न चुरा मया तो धामरि चुरा थी





रसा
काजल लागे केरकरे और सुरम मशाना जण ।
जिलनिना गे तु बसे, इजा फोन समामे





RESSA

रेसा

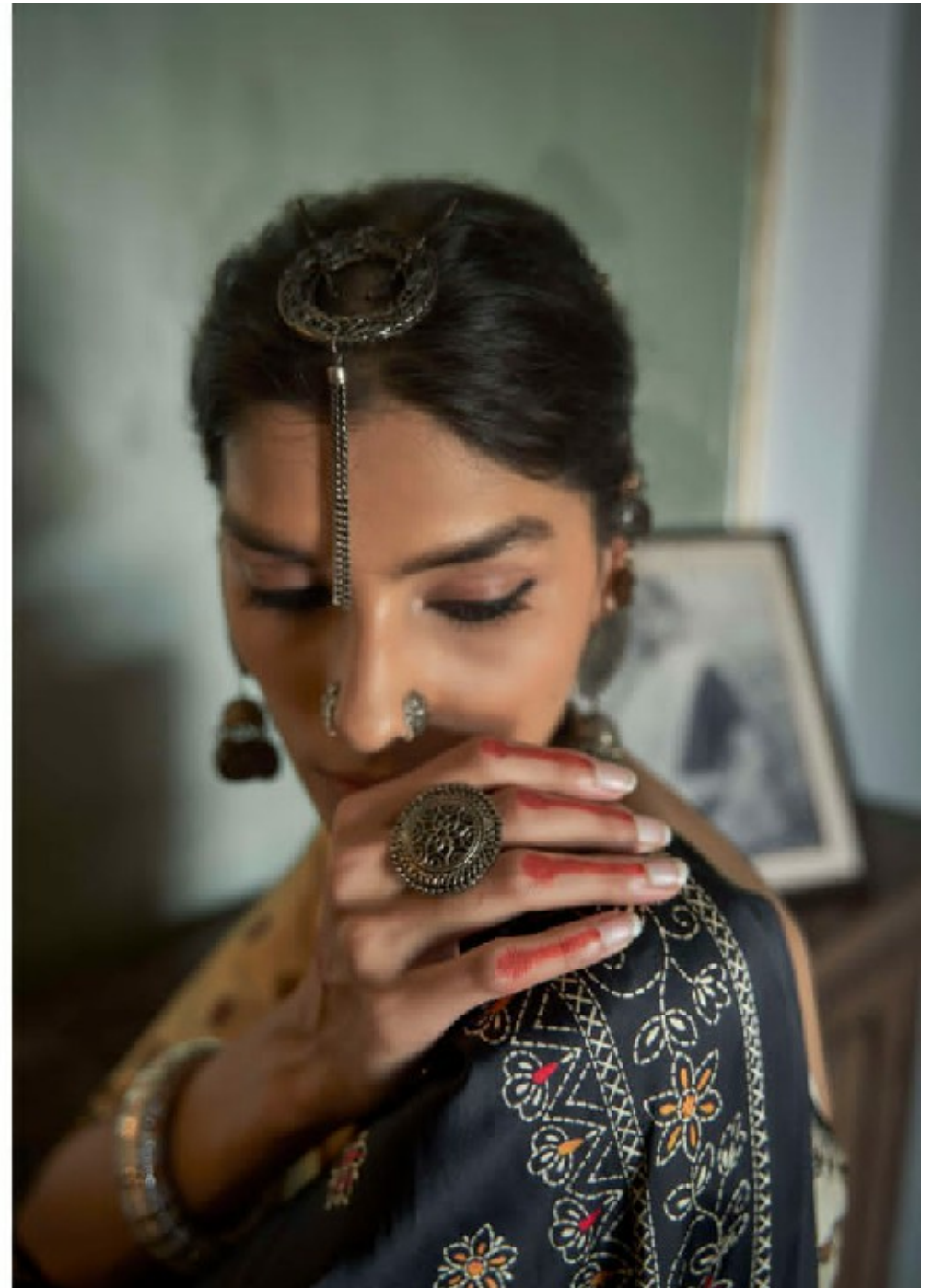
तो जोर के रें सुरमा संगत हे करी का
जोर न चुरा पदा तो बाम्शीर चुरा ली








RESSA
रेखा
"काजल लहरे किरकरी, गौर सुरम सुहा ना जाय ।
जिन नेना में तु बसे, दुजा जौन सगाये"







RESSA
रेखा

"कमबल लामे केरकरे, ओर सुरमा सत्ता ना शोर
पिन नेन में तु लसे, दुला लीन समाली"






RESSA
रेशा

सूरमा

वो मोर को देखे सुरमा लगत हे कटी का
प्रेमर न चुस पाया तो रामणीर चुस ली





सूरमा /101



सूरमा /102



सूरमा-1 /103



सूरमा /104



सूरमा /105



सूरमा-1 /106

RISSA
रिसा



सूरमा /107



सूरमा /108

सूरमा

दो मोर कोर्ब रान लुवा हे लही का
धेन न दरागमा ले प- पीर घुट ले

